

## महर्षि दयानन्द छात्रावास, श्री डूंगरगढ़, बीकानेर

1. **छात्रावास का नाम** — महर्षि दयानन्द छात्रावास, श्री डूंगरगढ़, बीकानेर  
पता — महर्षि दयानन्द छात्रावास, व तेजा मंदिर ट्रस्ट स्टेशन रोड़ श्री डूंगरगढ़, बीकानेर
2. **इतिहास** — श्री डूंगरगढ़ छात्रावास की संस्थापना माननीय परसराम जी मदरेणा कृषि पशुपालन एवं स्वायत्त शासन मंत्री राजस्थान सरकार के कर कमलों द्वारा मिली। भादवा शुदी 90 वार सोमवार विक्रम संवत् 2026 दिनांक 02 सितम्बर सन् 62 को श्रीमान रामचन्द्र राजस्व मंत्री राजस्थान की अध्यक्षता में नीव रखी गई। स्वागत अध्यक्ष श्रीमान लुणाराम जी सारण, विधायक श्री डूंगरगढ़ एव श्रीमान दुलाराम जी भाम्बू प्रधान पंचायत समिति श्रीडूंगरगढ़ के सानिध्य में नीव रखी गई थी।
3. **कार्यकारी सदस्य** —
  1. **पूर्व संरक्षक** — श्री लुणा राम जी सारण पूर्व विधायक
  2. **वर्तमान संरक्षक** — श्री मान मंगला राम जी गोदारा
  3. **सचिव** — श्री अमीलाल गोदारा, सचिव
  4. **वार्डन** — श्री प्रभू राम बांन

**सदस्यगण**

  1. श्री दाना राम जी भाम्बू, पूर्व प्रधान उपाध्यक्ष
  2. श्री तुलसी राम जी गोदारा,
  3. श्री लालु राम जी भादू
  4. श्री रामचन्द्र गोदारा
4. **भौतिक संसाधन** — 60 बीघा भूमि छात्रावास व तेजा मन्दिर के अधिन, जो एक ही परिसर में स्थित है। 24 कमरे छात्रावास में एक डॉयनिंग हॉल, एक मैस रसोई घर, एक स्टॉर व 06 स्नानघर व 06 टायलेट एक लाइब्रेरी हॉल जो पूर्व सांसद श्री रामसिंह कस्वा द्वारा निर्मित है। जिसमें वर्तमान में श्रीमान मुलाराम जी भादू द्वारा छात्रों के लिए एक लाइब्रेरी तैयार की जा रही है। खेल मैदान में एक छात्रों के लिए टैक का निर्माण किया जा रहा है। सम्पूर्ण भूमि के चारों तरफ चारदिवारी बनी है।
5. **दानदाता सूची**—
6. **प्रवेश प्रक्रिया** — नये सत्र से छात्रों का प्रवेश टेस्ट के निर्णानुसार लिया जाएगा।
7. **विद्यार्थी**— वर्तमान में छात्रावास में विद्यालय व कॉलेज स्तर के 30 विद्यार्थी निःशुल्क रहते हैं। खाना व्यक्तिगत है। एक छात्र पीटीआई 05 छात्रों का रेल्वे में 03 छात्रों का सेनाओं में चयन इसी वर्ष हुआ है।
8. **सहशैक्षिक गतिविधियाँ** — वर्तमान में 60 छात्र अध्ययन करते हैं। ऑनलाईन स्टडी टेस्ट व स्मार्ट कक्षाएँ शहर में स्थित कोचिंग से लेते हैं। यहाँ पर स्व. चौधरी कुम्भा राम जी की जयंती व स्व. लुणाराम जी व स्व. विजयपाल जी की मूर्तियाँ स्थापित हैं। उनके जन्मदिन व निर्वाण दिवस पर सभाएँ आयोजित की जाती हैं। अन्य समाज के महापुरुषों के जन्मदिन पर समारोह आयोजित होता रहता है। इसी परिसर में लोकदेवता तेजाजी महाराज का एक भव्य मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें करीब 05 करोड़ रुपये खर्च होंगे। छात्रावास परिसर में जाट महाराज सुरजमल जी की विशाल प्रतिमा स्थापित करने का कार्यक्रम है।
9. **वित्तिय प्रबंधन** — समय समय पर समाज के भामाशाहों द्वारा आर्थिक सहयोग
10. **भोजन व्यवस्था** व्यक्तिगत है।
11. **शिक्षण व्यवस्था** — श्रीडूंगरगढ़ में कई सरकारी विद्यालय व निजी शिक्षण संस्था स्थित हैं। यहाँ दो सरकारी व दो निजी कॉलेज भी हैं।

